(12)

सेलम्स 6-2-28

जनपद अलमोड़ा में जलना से टी0 आर0 सी0 तोली तक मो0 मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग अलमोड़ा के अन्तर्गत 3.00 कि0 मी0 लम्बाई में जलना से टी0 आर0 सी0 तोली तक मो0 मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग अलमोड़ा के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 14.12.2014 को संबन्धित कनिष्ठ अभियन्ता श्री गोधन सिंह मनराल के साथ निरीक्षण किया गया।

2- जनपद अलमोड़ा में जागेश्वर विधान सभा के अन्तगर्त जलना से टी0 आर0 सी0 तोली तक 3.00 कि0 मी0 लम्बाई में मोटर मार्ग का निर्माण कार्य स्वीकृत है। अलमोड़ा--शहर फाटक मो0 मार्ग से कास सेक्शन 0/31 तक कच्चा ग्रामीण मार्ग निर्मित है। आरम्भ में 0/31 तक उसी मार्ग का तोली की ओर अनुसरण किया गया है। उसके पश्चात् शेष लम्बाई में नये समरेखन का प्रस्ताव है, जो निर्धारित लम्बाई में प्रा0 स्कूल तोली के समीप समाप्त होता है।अवगत कराया गया है कि समरेखन अधिकांश लम्बाई में वन पंचायत भूमि से होकर गुजरता है तथा लगभग 250 मी0 लम्बाई में नाप भूमि पड़ती है। इस मार्ग से जलना एवं ग्राम तोली लाभान्वित होंगे। समरेखन में ~~सीन~~ चार हेयरपिन बैंड्स हैं, जो क्रमशः कास सैक्शन 1/17 1/28, 1/40 तथा 2/18 में दिये गये हैं। समरेखन क्षेत्र में भूमि का ढ़लान सामान्यतः $30^0$ से $55^0$ से मध्य प्रतीत होता है। समरेखन क्षेत्र में अल्मोड़ा ग्रुप की चट्टान है जिसमें मुख्यतः mica schist तथा micaceous quartzite हैं। ये चट्टान वेदर्ड होने के कारण कमजोर है। स्थल निरीक्षण के दिन समरेखन क्षेत्र में प्रथम दृष्टया कोई अस्थिरता संज्ञान में नहीं आई।

3- समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहॉ रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहॉ इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जायें।

(ख) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में बनाये जाये।

(ग) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स की स्थिति को avoid किया जाना चाहिये।

(घ) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(ङ) समरेखन में तीव्र पहाड़ी ढलान वाले भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।

(च) जहाँ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, आवश्यक होने पर उस भाग में मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(छ) जहाँ आवश्यक हो, मार्ग से ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये जिसमें ढलानों पर भूक्षरण की प्रकिया को नियन्त्रित रखा जा सके।

(ज) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एवं स्कपर का प्रावधान किया जायें। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

(झ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग के निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एव विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

4. **मार्ग के नवनिर्माण विषयक स्थायित्व सम्बन्धी बिन्दु:–**

(1) मार्ग कटान के पश्चात् हिल साईड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाड़ी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाड़ी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।

5. जलना से टी0आर0सी0 तौली तक मोटरमार्ग हेतु 3.00 कि0 मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि ये उपयुक्त है।

टिप्पणी:–

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाये।

H. Kumar 5.1.2015

(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग